मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 246, मुंबई, गुरुवार, 10 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

अभिनेता सुशांत राजपूत डेथ केस

रिया को ड्रग्स सप्लाय करने वाला पेडलर रीगल महाकाल गिरफ्तार

भारी मात्रा में कैश बरामद

2.5 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की कथित आत्महत्या मामले में ड्रग एंगल से जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को ड्रग पेडलर रिगेल महाकाल को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक रिगेल ड्रग पेडलर अनुज केशवानी के जरिए रिया चक्रवर्ती तक ड्रग्स पहुंचाता था। मुंबई में छापे के दौरान 2.5 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त कर लिया। एनसीबी के अधिकारियों ने बुधवार को इस बारे में बताया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एनसीबी के अधिकारियों ने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मामले में मादक पदार्थ की यह 'सबसे बड़ी बरामदगी' है

सूत्रों के मुताबिक रीगल महाकाल बॉलीवुड के कुछ हस्तियों से भी जुड़ा था, एनसीबी लंबे समय से रीगल की तलाश कर रही थी

लोखंडवाला समेत कुछ इलाकों में की गई छापेमारी, एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के नेतृत्व में जांच एजेंसी की टीम ने यह अभियान चलाया

'राज्य समर्थित अराजकता' को 'भारत बंद' के रुप में करारा जवाबः शिवसेना

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

किसानों ने सरकार का प्रपोजल ठुकराया

किसान नेता बोले– पूरे देश में आंदोलन तेज होगा, अंबानी–अडानी के प्रोडक्ट और भाजपा नेताओं का बायकॉट करेंगे

नई दिल्ली। कई दौर की बातचीत के बावजूद केंद्र सरकार किसान संगठनों को मनाने में नाकाम रही। बुधवार शाम को केंद्र का प्रस्ताव ठुकराते हुए किसान संगठनों ने दोनों प्रमुख मांगों पर टस से मस न होने की बात कही। कृषि क्षेत्र से जुड़े तीनों नए कानून पूरी तरह वापस हों और सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून लाए, इससे कम पर किसान संगठन मानने को तैयार नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

किसान संगठनों ने क्या किए हैं फैसले?

- केंद्र के प्रस्ताव को पूरी तरह से रद्द करते हैं।
- रिलायंस के जितने भी प्रॉडक्ट्स हैं, सभी का बायकॉट करेंगे।
- पूरे देश में हर जिले के मुख्यालय पर 14 दिसंबर को मोर्चा लगेगा।
- पूरे देश में रोज प्रदर्शन जारी रहेंगे। जो धरने नहीं लगाएंगे, वे किसान दिल्ली कूच करेंगे।
- दिल्ली की सड़कों को एक–एक करके जाम करने की तैयारी है।
- 12 दिसंबर तक दिल्ली–जयपुर हाइवे और दिल्ली–आगरा हाइवे को रोक दिया जाएगा।
- बीजेपी के सभी मंत्रियों का घेराव होगा।
- 12 तारीख को पूरे एक दिन के लिए टोल प्लाजा फ्री कर दिए जाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

राजनीति से अपेक्षा

किसानों के समर्थन में आयोजित कल का भारत बंद शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, तो यकीनन इसके लिए प्रशासन और आंदोलनकारी, दोनों की सराहना की जाएगी। इस बंद को देश की ज्यादातर विपक्षी पार्टियों और अनेक सामाजिक संगठनों ने अपना समर्थन दिया था और यही वजह है कि कई राज्यों में इसका असर दिखा भी है। दरअसल, किसानों और जवानों के प्रति भारत में एक विशेष अनुराग का भाव शुरू से रहा है। इसलिए उनकी मांगों से आम जनता को कभी शिकायत नहीं होती। सरकारों का रवैया भी उनके प्रति अमूमन संजीदगी और सहानुभूति भरा ही रहता है। नए कृषि कानूनों से जुड़े मौजूदा विवाद में भी सरकार और किसानों के बीच कई दौर की वार्ताओं से साफ है कि बातचीत से एक संतोषजनक रास्ता निकालने की कवायद की जा रही है। बहरहाल, भारत बंद को जिस बडे.पैमाने पर विपक्षी दलों ने अपना समर्थन दिया, इसका नैतिक पहलू तो खैर अपनी जगह है ही, मगर इसके अलग राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। यह एक सच्चाई है कि भाजपा विरोधी पार्टियां केंद्र सरकार की कतिपय नीतियों के विरुद्ध अपने बूते देश भर में कोई राजनीतिक आंदोलन खड़ा करने में खुद को असमर्थ पा रही थीं, ऐसे में, किसानों को हासिल व्यापक जन-सहानुभूति के सहारे उन्होंने अपनी भूमिका रची है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, खासकर इसके पश्चिमी हिस्से में किसान एक बड़े वोटबैंक भी हैं और इन राज्यों में राजनीतिक रूपरेखा तय करने में उनका अहम रोल होता है। पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2022 के शुरूआती महीनों में ही होने वाले हैं, ऐसे में राजनीतिक पार्टियों को स्वाभाविक ही उन मुद्दों और मौकों की तलाश होगी, जो उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करे। और इसमें कोई दोराय नहीं कि किसान आंदोलन में एनडीए विरोधी पार्टियों ने वह मौका ढूंढ़ लिया है। कुछ विपक्षी पार्टियां तो पुराने रुख से कलाबाजी मारते हुए किसानों के साथ आ खड़ी हुई हैं। किसान आंदोलन की मांगों और चिंताओं के लिहाज से भारत बंद कितना फलदायी रहा, यह तो आने वाले दिनों में पता चलेगा, लेकिन कृषक नेताओं ने अब तक जिस तरह से मुख्यधारा के राजनेताओं को अपने मंच से दूर रखा और परोक्षतः उनका समर्थन भी जुटाया, इससे उनकी अक्लमंदी तो झलकती ही है। भारतीय लोकतंत्र में अपनी बात को शासन तक पहुंचाने के जो रास्ते संविधान ने नागरिकों, राजनीतिक दलों को दिए हैं, उनके इस्तेमाल से किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती? लेकिन कोई भी परिपक्व लोकतंत्र अपने राजनीतिक दलों से यह भी अपेक्षा करेगा कि वे समाधान का पुल बनें। किसान आंदोलन के समाधान में जिम्मेदार पार्टियों को यह भूमिका भी अपनानी चाहिए। कोराना और आर्थिक बदहाली के मद्देनजर भी इस गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। इतनी सर्दी में खुले आकाश के नीचे बैठे हजारों किसानों और सरकार के बीच संवाद तो चल ही रहा है। पर उनके रुख को लचीला बनाने में देश के तमाम राजनीतिक दल अहम रोल निभा सकते हैं, और इसमें राजग के घटकों और विरोधी पार्टियों, सबको सहयोग करना चाहिए। दुर्योग से हम एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति के शिकार बनते जा रहे हैं, जिसमें राजनीतिक दलों के बीच अपसी संवाद की गुंजाइश लगातार सिकुड़ती जा रही है।

तीसरे मोर्चे की राजनीति संभव नहीं !

क्या भारत में अब भी तीसरे मोर्चे की राजनीति की संभावना है और अगर है तो वह राजनीति कैसे होगी? भारत में इससे पहले जब भी तीसरे मोर्चे की सफल राजनीति हुई है तो वह अनायास हुई है। उसके पीछे तात्कालिक परिस्थितियों का हाथ रहा है। ऐसा नहीं हुआ कि किसी एक या कई नेताओं ने बैठ कर रणनीति बनाई, संगठन बनाया, संसाधन जुटाए और तब राजनीति की। देश में अब तक हुई तीसरे मोर्चे की राजनीति की दूसरी अहम बात यह है कि वह बुनियादी रूप से कांग्रेस विरोध की राजनीति रही थी। उस समय देश की राजनीति में कोई दूसरी धुरी नहीं होती थी। कांग्रेस की एकमात्र धुरी होती थी, जिसके खिलाफ मोर्चा बना कर राजनीति हुई, पहली बार इमरजेंसी के विरोध में और और दूसरी बार बोफोर्स के मुद्दे पर।

दोनों बार राजनीति बुनियादी रूप से कांग्रेस विरोध की ही थी। इमरजेंसी विरोध की लड़ाई तो खैर कांग्रेस के खिलाफ थी ही, बोफोर्स के मामले पर वीपी सिंह के नेतृत्व में जो मोर्चा लड़ रहा था उसमें और भाजपा में कोई मतभेद नहीं था। दोनों एक-दूसरे के पूरक की तरह चुनाव लड़ रहे थे। दोनों के निशाने पर राजीव गांधी और कांग्रेस ही थे और तभी चुनाव के बाद भाजपा के समर्थन से वीपी सिंह को सरकार बनाने में कोई दिक्कत नहीं आई। जहां तक 1996 के प्रयोग की बात है तो उस समय तीसरे मोर्चे की सरकार जरूर बनी थी लेकिन तीसरा मोर्चा किसी प्रयोग की तरह चुनाव में नहीं लड़ा था। वह संयोग था कि कांग्रेस या भाजपा किसी को भी सरकार बनाने लायक बहुमत नहीं आया तो लेम डक अरेंजमेंट के तौर पर तीसरे मोर्चे की सरकार बनवा दी गई। इस लंबी भूमिका का मकसद यह बताना है कि असल में भारत में अभी तक तीसरे मोर्चे की राजनीति कायदे से हुई ही नहीं है। अब तक जिसको तीसरे मोर्चे की राजनीति कहा जाता था, वह असल में दूसरे मोर्चे की और कांग्रेस विरोध की राजनीति

होती थी। तभी सवाल है कि क्या भारत में अब किसी तीसरे मोर्चे की राजनीति की संभावना है? इसका जवाब कुछ वर्ष पहले आधुनिक भारतीय राजनीति के सबसे बेहतरीन विश्लेषकों में से एक लालकृष्ण आडवाणी ने दिया था। उन्होंने भारत में गठबंधन की राजनीति के अलग अलग पहलुओं के बारे में बात करते हुए बताया था कि अब तीसरे मोर्चे की राजनीति संभव नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी की 1998 और 1999 की दो सरकारों और बाद में मनमोहन सिंह की 2004 व 2009 की सरकारों के प्रयोग ने यह स्थापित कर दिया कि जो राजनीति 1989 में या 1996 में हुई थी, उसका समय बीत गया। अब भले लोकसभा त्रिशंकु हो लेकिन सबसे अधिक सांसदों वाली पार्टी को छोड़ कर सरकार बनाने की कल्पना नहीं की जा सकती है और अभी यह मानने में हिचक नहीं होनी चाहिए कि सबसे अधिक सांसदों वाली पार्टी भाजपा रहेगी या कांग्रेस!

कहा जा सकता है कि तीसरे मोर्चे की राजनीति अलग चीज है और सरकार बनाना अलग है। सरकार बने या न बने, राजनीति तो हो ही सकती है! यह बात ठीक है कि सरकार बने या न बने, तीसरे मोर्चे की राजनीति हो सकती है। ऐसे में अगला सवाल है कि वह राजनीति कैसे होगी? क्या तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव विशेष विमान में बैठ कर उड़ेंगे और चेन्नई, भुवनेश्वर, कोलकाता, पटना में प्रादेशिक क्षत्रपों से मिलेंगे और एक तीसरा मोर्चा बन जाएगा? केसीआर ने कुछ ऐसी ही उम्मीद जाहिर की है। लेकिन इस किस्म का प्रयास वे पहले भी कर चुके हैं। उनसे पहले चंद्रबाबू नायडू यह प्रयास कर चुके हैं और ममता बनर्जी भी हाथ-पैर मार चुकी हैं। किसी को कामयाबी नहीं मिली। इस तरह से तीसरे मोर्चे की राजनीति कामयाब नहीं होने के कई कारण हैं। सबसे पहला कारण यह है कि भारत में अब पार्टियां विचारधारा से संचालित होने की बजाय पार्टी सुप्रीमो की सोच से संचालित होती हैं। जैसे ममता बनर्जी ने सोच लिया कि किसानों के भारत बंद के साथ नहीं खड़ा होना है क्योंकि लेफ्ट पार्टियां उनके साथ खड़ी हैं। यानी जहां लेफ्ट पार्टियां खड़ी होंगी वहां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस नहीं खड़ी होगी। इस तरह के विरोधाभास देश की अनेक पार्टियों के बीच देखने को मिलेगा और वह इसलिए क्योंकि पार्टियों की कोई विचारधारा नहीं रह गई है। हर पार्टी सिर्फ अपने राज्य की सत्ता हासिल करने या सत्ता में बने रहने के एकमात्र लक्ष्य से निर्देशित हो रही है। देश के तमाम क्षत्रपों की चाहना राज्य की सत्ता हासिल करना है। केसीआर भी अगर राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे मोर्चे की सोच रहे हैं तो उसका मकसद भी तेलंगाना की सत्ता बचाए रखना ही है। उससे आगे की तस्वीर वे नहीं देख पाते हैं। इसलिए कोई प्रादेशिक क्षत्रप राष्ट्रीय स्तर पर कोई मोर्चा बना लेगा, यह सोचना भी बेमानी है। तीसरे मोर्चे की राजनीति की दूसरी मुश्किल यह है कि अब देश की राजनीति एक बार फिर एक धुरी वाली हो गई है। जैसे पहले कांग्रेस राजनीति के केंद्र में होती थी वैसे अब भाजपा केंद्र में हैं। जैसे पहले कांग्रेस विरोध की राजनीति होती थी वैसे अब भाजपा विरोध की राजनीति होती है। एक-एक करके भाजपा के सहयोगी उसका साथ छोड़ गए हैं और वह लगभग वैसे ही अकेली है, जैसे कभी कांग्रेस होती थी। उसकी ताकत उतनी ही बड़ी हो गई है, जितनी किसी जमाने में कांग्रेस की होती थी। इसलिए आज अगर कोई मोर्चा बनता है तो वह अपने आप भाजपा विरोधी मोर्चा हो जाएगा। इसकी संभावना बहुत कम है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों से एक साथ लड़ने वाला कोई मोर्चा बने।

तीसरे मोर्चे की राजनीति की तीसरी मुश्किल यह है कि जैसे ही कोई साझा मोर्चा बनेगा यह मान लिया जाएगा कि यह भाजपा विरोधी राजनीतिक मोर्चा है, चाहे उसमें कांग्रेस हो या नहीं हो! वह मोर्चा भाजपा से लड़ने के लिए बनेगा और उसके बारे में यह धारणा बनेगी या बनाई जाएगी कि इसके पीछे कांग्रेस का हाथ है। अभी भारत का समाज जिस तरह से बंटा हुआ है उसमें इस किस्म की धारणा बनने के अपने खतरे हैं। उत्तर प्रदेश के दो अलग अलग चुनावों में सपा और बसपा के गठबंधन या सपा और कांग्रेस गठबंधन का क्या हस्र हुआ वह सबने देखा। सो, जहां भी इस किस्म का साझा मोर्चा बनेगा वहां ज्यादा संभावना ऐसे ही नतीजों के दोहराव की है। इसके कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, जैसा बिहार में पांच साल पहले हुआ था। सो, निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि भारत में कम से कम अभी तीसरे मोर्चे की राजनीति के बारे में नहीं सोचा जा सकता है। भारत में प्रादेशिक क्षत्रपों के निजी अहंकार और सत्ता की चाहना इस रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनेगी। किसी विचारधारा की अनुपस्थिति भी इसका कारण बनेगी तो कांग्रेस की कमजोरी भी इसकी एक वजह होगी। भाजपा का बहुत शक्तिशाली हो जाना भी अभी तीसरे मोर्चे की संभावना को कमजोर कर रहा है।

सरकार पर अदालत भारी ?

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के सिर पर एक चपत लगा दी है। उसने नए संसद भवन के निर्माण पर फिलहाल रोक लगा दी है। 10 दिसंबर को उसके लिए आयोजित भूमि-पूजन को उसने नहीं रोका है लेकिन नए संसद के निर्माण के लिए कई भवनों को गिराने, पेड़ों को हटाने और सारे क्षेत्रीय नक्शे को बदलने पर रोक लगा दी है। 10 दिसंबर को इस महत्वाकांक्षी योजना को अमल में लाने के लिए प्रधानमंत्री भूमि-पूजन कर रहे हैं। इस पूरे निर्माण-कार्य पर लगभग 20 हजार करोड़ रु. खर्च होंगे और इसे अगले दो साल में पूरा करने का विचार है। नए संसद भवन के दोनों सदनों में लगभग 1500 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी। अभी इस क्षेत्र में 39 मंत्रालय सिर्फ 17 भवनों में चल रहे हैं। नए निर्माण-कार्य में ऐसे दस विशाल भवन बनाए जाएंगे, जिनमें 51 मंत्रालय एक साथ चल सकेंगे। अभी सरकार को किराए के कुछ भवन लेने पड़ते हैं। उन पर एक हजार करोड़ रु. सालाना खर्च होता है। अंग्रेज के बनाए ये सभी भवन अब 100 बरस पुराने पड़ गए हैं। नए भव्य भवनों को बनाने का संकल्प मोदी सरकार ने अभी जरुरतों को ध्यान में रखते हुए लिया है लेकिन इस संकल्प के खिलाफ लगभग 1200 आपत्तियां उठाई गई हैं। सर्वोच्च न्यायालय सहित कई अदालतों में विभिन्न लोगों ने याचिकाएं दायर की हैं। उनमें कई आरोप है, जैसे पेड़ गिराने की अनुमति पर्यावरण-नियमों के विरुद्ध दी गई है और जमीन के इस्तेमाल की इजाजत गलत तरीके से ली गई है। सरकार ने यह इजाजत देने में अपने ही कई नियमों का उल्लंघन किया है। सर्वोच्च न्यायालय इस बात पर नाराज हुआ कि उसने सरकार से इन सब आपत्तियों पर सफाई मांगी लेकिन वह दिए बिना उसने 10 दिसंबर को भूमि-पूजन की घोषणा कर दी। इस भूमि-पूजन पर भी हमारे कई सेक्युलरिस्ट नेताओं ने आपत्ति की है। उनका कहना है कि क्या यह हिंदू मंदिर है ? यह भारत-भवन है। इसमें सभी धर्मों से शुभारंभ होना चाहिए। अदालत के वर्तमान रवैए से यह शंका पैदा होती है कि शायद इसकी अनुमति न मिले। अभी तो उसका तेवर यही है लेकिन सामान्य-बोध कहता है कि सरकार के इस संकल्प पर अदालत का फैसला आखिरकार भारी नहीं पड़ेगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
10 दिसंबर, 2020

03

'राज्य समर्थित अराजकता' को 'भारत बंद' के रुप में करारा जवाब: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने बुधवार को कहा कि केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों द्वारा आयोजित किया गया 'भारत बंद' 'राज्य समर्थित अराजकता' को करारा जवाब था। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अपने राजनीतिक हितों के लिए देश पर 'भय और आतंक' की तलवार लटकाकर रखना चाहती है। सामना में आरोप लगाया गया है देश में अशांति का समाधान ढूंढने के बजाय यह अशांति बनाए रखना चाहते हैं। विभिन्न किसान यूनियनों ने नए कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग करते हुए मंगलवार को 'भारत बंद' का आह्वान किया था। संपादकीय में पूछा गया है कि राजनीतिक दलों द्वारा 'भारत बंद' को समर्थन दिए जाने में क्या गलत था। इसमें किसानों के आंदोलन को देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश बताए जाने और विरोध कर रहे किसानों को खालिस्तानी करार देने के लिए भाजपा की आलोचना की गई। संपादकीय के अनुसार 'पश्चिम बंगाल में भाजपा जाति और धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण कर रही है वह राजनीतिक अराजकता है। खून-खराबे और हिंसा की धमकियां दी जा रही हैं, यह अराजकता है। संपादकीय में कहा गया कि अगर किसानों के मुद्दों का तेजी से समाधान हो जाता तो वे घर वापस चले जाते।

महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की मंजूरी के बाद पांचवीं से आठवीं कक्षा के लिए खुलेंगे स्कूल : गायकवाड़

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने बुधवार को कहा कि राज्य शिक्षा विभाग, राज्य स्वास्थ्य विभाग की मंजूरी के बाद ही पांचवीं से आठवीं कक्षाओं के लिए स्कूल पुनः खोलने की अनुमति देगा। राज्य सरकार ने जिला आयुक्तों और स्थानीय प्राधिकारियों को पिछले महीने अधिकार दिया था कि वे अपने क्षेत्रों में कोविड-19 वैश्विक महामारी संबंधी हालात के आधार पर नौवीं से 12वीं कक्षाओं के लिए स्कूल पुनः खोलने के संबंध में फैसला कर सकते हैं। गायकवाड़ ने संवाददाताओं से कहा, स्कूली शिक्षा विभाग स्कूल पुनः खोलने के मामले पर सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के साथ विचार-विमर्श करेगा। उसकी मंजूरी

मिलने के बाद हम कक्षाएं पुनः खोलेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श के बाद ही स्कूल पुनः खोलने के बारे में मुंबई, मुंबई उपनगरों, ठाणे, पुणे और नासिक जैसे बड़े शहरों को अधिसूचित किया जाएगा। गायकवाड़ ने कहा, हम इस संबंध में छात्रों के अभिभावकों एवं स्थानीय प्राधिकारियों से विचार-विमर्श कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने स्कूल पुनः खोलने से पहले शिक्षकों और अन्य स्कूल कर्मियों की बड़ी संख्या में आरटी-पीसीआर जांच की हैं। मंत्री ने बताया कि राज्य के 25 जिलों में 23 नवंबर से नौवीं से 12वीं कक्षा तक के कम से कम तीन लाख छात्र स्कूल आ रहे थे और पिछले सप्ताह की गई समीक्षा के अनुसार यह संख्या बढ़कर अब पांच लाख हो गई है। महाराष्ट्र में मंगलवार तक कोरोना वायरस से 18,59,367 लोग संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से 47,827 लोगों की मौत हो चुकी है।

तृप्ति देसाई के शिर्डी आने पर पाबंदी

पुणे। भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई के शिरडी के साईं मंदिर में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। सब डिविजनल ऑफिस शिर्डी ने मंगलवार को एक नोटिस जारी करते हुए कहा है कि वे 8 दिसंबर से 11 दिसंबर के बीच साईं मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकती हैं। नोटिस में कहा गया है कि उनके यहां आने से कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। यदि वह आदेश का उल्लंघन करती है तो उसे 188 आईपीसी के अनुसार दंडित किया जाएगा। पिछले सप्ताह शिर्डी के साईं मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों के दर्शन को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब मंदिर में सिर्फ भारतीय परिधान पहन कर आने वालों को ही मंजूरी मिलेगी। संस्थान का कहना है कि कुछ दिनों से यह शिकायत आ रही थी कि कुछ श्रद्धालु छोटे कपड़े पहनकर दर्शन के लिए आ रही हैं। इस बीच भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई ने चेतावनी देते हुए कहा है कि मंदिर ट्रस्ट को ऐसे बोर्ड हटाना चाहिए, नहीं तो हम इसे अपने तरीके से हटायेंगे। तृप्ति ने 10 दिसंबर को शिर्डी जाकर इस बोर्ड को खुद हटाने का अल्टीमेटम दिया था। मंदिर प्रशासन ने कोरोना का हवाला देते हुए सभी लोगों से इन नियमों का पालन करने की गुजारिश की है। मंदिर ट्रस्ट ने परिसर में इस बाबत नोटिस भी लगाया है। उस बोर्ड पर लिखा गया है, श्री साईं भक्तों से अनुरोध है कि आप पवित्र जगह में पधार रहे हैं। अतः आपको भारतीय संस्कृति के अनुरूप वेशभूषा परिधान करने की विनती है।

प्रेमिका की हत्या का दोषी पाया गया प्रेमी, अदालत ने दी आजीवन कारावास की सजा

मुंबई। यहां स्थित एक सत्र अदालत ने 38 वर्षीय एक व्यक्ति को 2013 में अपनी प्रेमिका की हत्या करने और उसकी कटी हुई लाश को चेम्बूर की एक झील में फेंकने के आरोप में मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपी प्रभाकर शेट्टी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी पाया गया। सत्र न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एस बी अग्रवाल ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उस पर एक लाख रुपये

का जुर्माना लगाया। अदालत ने कहा कि जुर्माने की रकम पीड़ित के बेटे को दी जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, प्रभाकर कुर्तिक शेट्टी से प्रेम करता था जो कि एक विधवा थी और पिछली शादी से उसका एक बेटा था। शादी का वादा कर प्रभाकर ने अपनी प्रेमिका से कुछ पैसे भी उधार लिए थे। अभियोजन पक्ष ने कहा कि अक्टूबर 2013 में प्रभाकर ने महिला की हत्या कर दी क्योंकि वह उससे शादी नहीं करना चाहता था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

रिया को ड्रग्स सप्लाय करने वाला पेडलर रिगेल महाकाल गिरफ्तार

एनसीबी के अधिकारियों ने कहा कि राजपूत की मौत से जुड़े मामले में मादक पदार्थ की यह 'सबसे बड़ी बरामदगी' है। अधिकारी ने बताया कि मुंबई के लोखंडवाला समेत कुछ इलाकों में छापेमारी के बाद आरोपी रीगल महाकाल को मंगलवार देर रात गिरफ्तार किया गया। एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के नेतृत्व में जांच एजेंसी की टीम ने यह अभियान चलाया। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान 2.5 करोड़ रुपये की 'मलाना क्रीम' जब्त की गयी। छापे के दौरान एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया लेकिन उसके बारे में ज्यादा विवरण उपलब्ध नहीं है। मामले में मादक पदार्थ के कुछ तस्करों से पूछताछ के दौरान महाकाल का नाम सामने आया था। महाकाल मामले में एक आरोपी अनुज केशवानी को मादक पदार्थ की आपूर्ति करता था। केशवानी को भी नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। राजपूत इस साल जून में बांद्रा में अपने फ्लैट में मृत मिले थे। एनसीबी बॉलीवुड के कुछ हिस्से में मादक पदार्थों के कथित इस्तेमाल के बारे में जांच कर रही है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद यह छानबीन शुरू की गयी थी। मामले में राजपूत की दोस्त रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शौविक, राजपूत के कुछ कर्मचारियों तथा अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

किसानों ने सरकार का प्रपोजल ठुकराया

क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष दर्शन पाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने देशभर में रिलायंस और अडाणी के उत्पादों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इसके अलावा रोज बीजेपी के मंत्रियों का घेराव भी किया जाएगा। किसान संगठनों ने चेतावनी दी कि आंदोलन अब और तेज किया जाएगा। किसान नेताओं ने बताया कि 14 दिसंबर को पूरे देश में धरना-प्रदर्शन की तैयारी है। दिल्ली और आसपास के राज्यों से 'दिल्ली चलो' की हुंकार भरी जाएगी। बाकी राज्यों में अनिश्चितकाल तक के लिए धरने जारी रखे जाएंगे। 12 दिसंबर तक जयपुर-दिल्ली और दिल्ली-आगरा हाइवे को जाम कर दिया जाएगा। किसान नेता 'रिलायंस जियो' से खासा नाराज नजर आए। उन्होंने कहा कि जियो के सिम पोर्ट कराने के लिए अभियान चलेगा। आंदोलन से जुड़े सभी किसान रिलायंस और अडाणी के सभी उत्पादों का बहिष्कार करेंगे, इसका ऐलान भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुआ। केंद्र सरकार ने इसके लिए 'लिखित आश्वासन' देने का प्रस्ताव दिया था कि खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था जारी रहेगी। सरकार ने कम से कम सात मुद्दों पर आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव भी दिया था। तेरह आंदोलनकारी किसान संगठनों को भेजे गए मसौदा प्रस्ताव में सरकार ने यह भी कहा कि सितंबर में लागू किए गए नये कृषि कानूनों के बारे में उनकी चिंताओं पर वह सभी आवश्यक स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार है, लेकिन उसने कानूनों को वापस लेने की आंदोलनकारी किसानों की मुख्य मांग के बारे में कोई जिक्र नहीं किया था। संसद के मॉनसून सत्र में पारित किए गए कृषि विधेयकों के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर पिछले 14 दिनों से किसानों का प्रदर्शन जारी है। इस गतिरोध को तोड़ने के लिए सरकार ने लिखित मसौदा भेजा था जिसे ठुकरा दिया गया। सरकार के प्रस्ताव में उस आरोप को भी खारिज कर दिया गया, जिसमें दावा किया जा रहा था कि बड़े उद्योगपति किसानों की भूमि पर कब्जा कर लेंगे और किसान भूमिहीन हो जाएंगे। सरकार ने यह भी कहा कि दीवानी अदालतों (सिविल कोर्ट) से संपर्क करने वालों को अब अनुमति दी जाएगी।

सोनू सूद की नेकी

8 प्रॉपर्टी गिरवी रख कर सोनू सूद कर रहे हैं जरूरतमंदों की मदद

संवाददाता

मुंबई। कोरोना के दौर में एक्टर सोनू सूद जरूरतमंदों के लिए मसीहा बनकर सामने आए। वे नेकी के इस काम में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। इसलिए उन्होंने 10 करोड़ रुपए का लोन लेने के लिए अपनी आठ प्रॉपर्टी गिरवी रख दी हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो मुंबई के जुहू इलाके में मौजूद इन प्रॉपर्टीज में दो दुकानें और छह फ्लैट्स शामिल हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, सोनू की गिरवी रखी गई प्रॉपर्टीज का एग्रीमेंट 15 सितंबर को साइन किया था और 24 नवंबर को इसका रजिस्ट्रेशन किया गया। वे प्रॉपर्टी इस्कॉन मंदिर के पास एबी नायर रोड पर हैं। लोन लेने के लिए पांच लाख रुपए की रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई गई है। बताया जा रहा है कि प्रॉपर्टी सोनू और उनकी पत्नी के नाम पर ही रहेंगी। इससे हर महीने आने वाला किराया भी अभिनेता को ही मिलेगा। सोनू को 10 करोड़ के लोन के लिए इसका मूलधन और ब्याज चुकाना पड़ेगा। हालांकि, सोनू ने इस बात की पुष्टि नहीं की है।

5 लाख रुपए में हुआ रजिस्ट्रेशन

लिया 10 करोड़ का लोन

लॉकडाउन में सोनू ने ऐसे मदद की

लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की मदद के लिए सक्रिय रहे सोनू ने सैकड़ों प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाया। हजारों लोगों के लिए खाने, पीने के सामान से लेकर पैसों तक की व्यवस्था की। पंजाब में पैरामेडिकल स्टाफ के लिए 1500 पीपीई किट्स उपलब्ध कराईं। पुलिस अफसरों को 25 हजार फेस शील्ड्स लेकर दीं। इस तरह लॉकडाउन के दौरान उन्होंने कई काम किए। अब भी वे लगातार जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। सोशल मीडिया के जरिए लोग सोनू से मदद मांगते रहते हैं। इसके अलावा, सोनू ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।

अगला मिशन बुजुर्गों के घुटनों की सर्जरी

सोनू सूद की मानें तो उनका अगला मिशन बुजुर्गों के घुटनों की सर्जरी कराना है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मैं बुजुर्गों के घुटनों की सर्जरी कराना चाहता हूं, ताकि उन्हें ऐसा महसूस न हो कि वे समाज का बेकार और उपेक्षित हिस्सा हैं। 2021 में घुटनों का ट्रांसप्लांट मैं अपनी प्राथमिकता में चाहता हूं।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं तो चुनाव लड़ने के योग्य नहीं दोषी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अगर किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को दो साल या इससे ज्यादा की सजा होती है और अगर उसकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई जाती है तो ऐसा व्यक्ति जन प्रतिनिधित्व कानून के तहत चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य है। शीर्ष अदालत ने 2019 के लोकसभा चुनाव में केरल के एर्नाकुलम संसदीय सीट पर सरिता एस नायर का नामांकन पत्र निरस्त करने के निर्वाचन अधिकारी के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनाए गए फैसले पर यह टिप्पणी की। न्यायालय ने सरिता नायर की अपील खारिज कर दी। निर्वाचन अधिकारी ने लोकसभा चुनाव में केरल में सौर घोटाले से संबंधित आपराधिक मामले में सरिता नायर को दोषी ठहराए जाने और उन्हें सजा होने के तथ्य के मद्देनजर उसका नामांकन पत्र निरस्त कर दिया था। इस सीट पर कांग्रेस के हिबी एडेन ने जीत हासिल की थी। सरिता नायर ने वायनाड

संसदीय सीट पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए दाखिल नामांकन पत्र इसी आधार पर निरस्त किए जाने को चुनौती देते हुए एक अपील दायर की थी। अदालत ने उनकी इस अपील को दो नवंबर को खारिज कर दिया था। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यन की पीठ ने नायर की इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि उसका नामांकन पत्र निरस्त करना गलत था, क्योंकि उसकी तीन साल की सजा को अपीलीय अदालत ने निलंबित कर दिया था। पीठ ने कहा कि सजा के अमल का निलंबन दोषसिद्धि की स्थिति नहीं बदलता है और इसलिए ऐसा व्यक्ति चुनाव लड़ने के अयोग्य ही रहेगा। अदालत ने नायर का नामांकन निरस्त करने के निर्णय को सही ठहराते हुए कहा कि जब तक दोषसिद्धि पर रोक नहीं होगी, अयोग्यता प्रभावी रहेगी। अदालत ने केरल हाईकोर्ट की इस व्यवस्था के लिए आलोचना की कि नायर की याचिका में तीन त्रुटियों (उचित सत्यापन, अधूरी प्रार्थना और पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप) का सुधार नहीं किया जा सकता था। अदालत ने कहा कि ये त्रुटियां सुधार योग्य थीं और याचिकाकर्ता को इन्हें दूर करने का अवसर दिया जाना चाहिए था। न्यायालय ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8(3) के प्रावधान से स्पष्ट है कि सजा के अमल पर रोक लगाना अयोग्यता के दायरे से बाहर निकलने के लिये पर्याप्त नहीं है। न्यायालय ने कहा कि सजा के अमल का निलंबन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 389 के संदर्भ में पढ़ना होगा। इस प्रावधान के अंतर्गत सजा नहीं बल्कि सजा पर अमल निलंबित किया गया है।

राजस्थान के एक कस्बे बिलाड़ा में जन्मी अंजुमन जौहरी ने आज फिल्म इंडस्ट्री में राजस्थान का नाम किया रोशन

अंजुमन जौहरी राजस्थान के बिलाड़ा में जन्मी और जालोर में अपने परिवार के साथ रहती थी। अंजुमन को बचपन से ही नृत्य और अभिनय का रुझान रहा है और इसमें आगे लाने के लिए इनके पिता स्वर्गीय जगदीश रावल जी का बहुत सहयोग रहा है स्कूल, कालेजों में अपनी एक्टिंग का शोक बा खूबी से निभाया हैं। जिन्होंने अपना पहला रंगमंच नाटिका प्रस्तुत की थी 1984 में 'थैंक्स मि. गलार्ड' जो काफी सराहा गया और वहीं से इनके अभिनय का सफर शुरू हुआ। यह एक्टिंग के साथ साथ कई भाषाओं का अच्छा पकड़ हैं। जैसे हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी राजस्थानी गुजराती कन्नड़ आदि। इन्होंने कई ड्रामा, स्टेज शोज, शार्ट फिल्म-, रहस्य (गुजराती), सावधानी हटी दुर्घटना घटी,और हाल ही में अभी एक ज्वलंत विषय पर शार्ट फिल्म बनाई है जो अंध विश्वाश पर है मुस्लिम समाज में महिला उत्पीड़न की कहानी जो कि कुरान शरीफ में भी उसके बारे में साफ साफ बताया है कि तीन तलाक कैसे मान्य है लेकिन फिर भी शोषण हो रहा है उसी पर आधारित है हमारी शार्ट फिल्म तीन तलाक (हलाला) टेली फिल्म मा रो कालजो, औलाद री खातिर और राजस्थानी बिग बेनर मूवी 'मा रखो लाज म्हारी' में भी काम किया है। अंजुमन जलोरी का बॉलीवुड में पहला प्रोजेक्ट ओम फिल्म क्रिएशन के साथ रहा और असिस्टेंट के रूप में इन्होंने डायरेक्शन, एक्टिटिंग और सिंगिंग किया। 'आजा मा शेरावालिए' इनकी पहली फिल्म थी और इनके गुरु और डायरेक्टर श्री आनंद घई जी के साथ मिलकर पूरी यूनिट को राजस्थान के जाकर शूट किया, और आज भी ये फिल्म लाइन में टिके हुए है और काफी एक्टिव होकर काम कर रही है। इनका एक ही मोटो है वो कलाकार जिनके पास हुनर होते हुए भी मौका नहीं मिल पाता उनको इस फिल्म की नगरी में मौका देना नए कलाकार बनाना।

दिल्ली में धीमी हुई कोरोना की रफ्तार, कल सामने आए 2463 नए मामले, 50 की मौत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को लेकर तीसरी लहर देख चुके दिल्ली में अब हालात सामान्य की ओर बढ़ रहे हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो दिल्ली में 39वें दिन बुधवार को कोरोना वायरस से सबसे कम मौतें दर्ज की गई हैं। इसके अलावा लगातार 12वें दिन राजधानी में पांच हजार से कम कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। वहीं जांच की बात करें तो लगातार आठवें दिन संक्रमण दर पांच फीसदी से कम मिली है और इसमें भी आरटी पीसीआर के जरिए संक्रमित मिले सैंपल की दर आठ दिन से 10 फीसदी से कम दर्ज की जा रही है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले एक दिन में 2463 संक्रमित मरीज सामने आए हैं। बीते मंगलवार को दिल्ली में 72,079 सैंपल की जांच हुई है जिनमें से 3.42 फीसदी सैंपल कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा 4177 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। जबकि मरने वालों की संख्या 50 मिली है। बीते एक नवंबर के बाद से दिल्ली में

मौत का आंकड़ा सबसे कम मिला है। पिछले 10 दिन की बात करें तो दिल्ली में 2.27 फीसदी मरीजों की मौत हुई है जोकि अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा है। इसी के साथ ही राजधानी में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 6 लाख के करीब पहुंच चुकी है। कुल संक्रमित 5,99,575 में से अब तक 5,69,216 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 9813 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले आठ दिन से संक्रमित मरीजों की संख्या में कमी आने के चलते सक्रिय मरीजों की संख्या भी अब घटकर 20,546 हो चुकी है। इनमें से 12,186 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। जबकि अन्य मरीजों का अस्पतालों में उपचार चल रहा है। दिल्ली सरकार के अनुसार अस्पतालों में भर्ती मरीजों में करीब दो फीसदी (40) मरीजों की हालत गंभीर है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि दिल्ली में पिछले एक दिन में संक्रमण दर 3.42 फीसदी मिली है। पिछले आठ दिन से यह दर पांच फीसदी से कमहै। इसके अलावा पिछले एक दिन में 32,976 सैंपल की जांच आरटी पीसीआर के जरिए हुई है। इनमें से 6.46 फीसदी सैंपल कोरोना संक्रमित मिले हैं। यानि आरटी पीसीआर तकनीक से जांच करने के बाद भी संक्रमण दर 10 फीसदी से कम बनी हुई है। इसके अलावा एक नवंबर से ही दिल्ली में रोजाना 50 से ज्यादा लोगों की मौतें हो रही थीं।

बुझ गई 'पहाड़ पर लालटेन', मंगलेश डबराल का 72 की उम्र में एम्स में निधन

नई दिल्ली। हिंदी के प्रसिद्ध कवि मंगलेश डबराल का बुधवार शाम को निधन हो गया। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आखिरी सांस ली। मंगलेश अंतिम समय में कोरोना वायरस और निमोनिया की चपेट में आने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। उनकी उम्र 72 वर्ष थी। सांस लेने में हो रही परेशानी के चलते उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उनके निधन की जानकारी उनके कवि मित्र असद जैदी ने फेसबुक पर साझा की। बताया जा रहा है कि उनका निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ। साहित्य अकादमी से पुरस्कृत कवि मंगलेश डबराल नवंबर के आखिरी हफ्ते से ही बीमार चल रहे थे। पहले उनका गाजियाबाद के एक अस्पताल में इलाज कराया जा रहा था। सांस लेने में परेशानी के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। बीच में उनकी हालत में कुछ सुधार देखा गया था लेकिन वह पूरी तरह से रिकवर नहीं कर सके। इसके बाद उन्हें उनकी सहमति से एम्स में भर्ती कराया गया, जहां उनकी तबीयत स्थिर बनी रही। बीच में उनकी तबीयत में कुछ सुधार देखा गया था, लेकिन रविवार शाम से उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। यहां उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। उनको बुधवार शाम को डायलिसिस के लिए ले जाया जा रहा था कि तभी उनको दिल के दो दौरे पड़े। उनको बचाने की आखिरी समय तक कोशिश की गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजस्थान हलचल

जमीअत उलमा बीकानेर प्लाज्मा डोनेट अभियान के तहत मोहसिन गौरी बने 43वें डोनर

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बीकानेर। 9 दिसम्बर बुधवार को जमीअत उलमा बीकानेर की प्रेरणा से मोहसिन गौरी ने पीबीएम हॉस्पिटल में अपना प्लाज्मा डोनेट किया, जमीअत उलमा बीकानेर के जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव मरीजों के लिए जब से बीकानेर में प्लाज्मा थैरेपी शुरू हुई उसी दिन से हम लोगों ने जमीअत उलमा बीकानेर प्लाज्मा डोनेट अभियान चलाकर प्लाज्मा डोनेट के लिए

कोविड19 से ठीक हुवे लोगों से सम्पर्क कर उनको प्लाज्मा देने के लिए तैयार किया जिसका नतीजा है कि खुद इस संस्था के माध्यम से पीबीएम में आज तक 43 प्लाज्मा डोनर्स अपना प्लाज्मा डोनेट कर चुके हैं, इसके अलावा दूसरी संस्थाओं ने भी अपने-अपने प्लेटफार्म से इस काम को अंजाम दिया जो निश्चय ही जमीअत उलमा के इस अभियान को शहर में सबसे पहले शुरू करने का ही नतीजा है, बहरहाल हमारे आज के डोनर मोहसिन गौरी का हम शुक्रिया अदा करते हैं, इस मौके पर डॉक्टर सोनम, डॉक्टर प्रेम पड़िहार और जमीअत उलमा के मेडिकल हैल्प सदस्य सैयद इमरान मौजूद रहे।

बीकानेर रैंज के टोल नाकों पर बढ़ता गुंडाराज!

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बीकानेर। पिछले दिनों संभाग के सादुलशहर विधायक जगदीश जांगिड़ के साथ रंगमहल टोल प्लाजा पर हुई बदसलूकी और उनके सुरक्षा कर्मियों से मारपीट की घटना के बाद टोल नाकों गुण्डागर्दी का मामला एक बार फिर गरमा गया है। टोल प्लाजा कर्मियों और उनके साथ शामिल गुण्डा तत्वों द्वारा मारपीट और बदसलूकी की यह कोई पहली घटना नहीं है। बीकानेर रैंज के टोल प्लाजों पर इस तरह की घटनाएं आये दिन होती है। ऐसे में कहा जा रहा है कि बीकानेर में राजमार्गो के टोल प्लाजे हमलेबाजी और अवैध वसूली का ठिकाना बने हुए है। इन टोल प्लाजों पर मारपीट की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढता जा रहा है। ज्यादात्तर नाकों पर टोल कर्मियों द्वारा मनमाने ढंग से पैसे वसूल किये जाने की शिकायतें भी लगातार मिल रही है। पुख्ता खबर है कि टोल प्लाजों के कर्मचारी ओवरलोड के नाम पर स्थानीय वाहनों से भी अवैध वसूली कर रहे है। टोल नाकों पर लठैत किस्म के असमाजिक तत्व भी तैनात रहते है,जो किसी वाहन चालक से मामूली विवाद होने पर भी हमलेबाजी से नहीं चूकते। हैरानी की बात तो यह है कि टोल नाकों के लठैत जन प्रतिनिधियों को भी नहीं बख्शतें। इसे लेकर

कुछ माह पहले लूणकरणसर विधायक सुमित गोदारा ने मुद्दा भी उठाया था कि टोल नाकों पर तैनात कार्मिकों का पुलिस सत्यापन होना चाहिए है,विधायक का मानना था कि राजमार्गो पर स्थित टोल प्लाजों में कार्मिकों के साथ बड़ी तादाद में बदमाश किस्म के युवक भी तैनात रहते है। इसी तरह श्रीडूंगरगढ विधायक गिरधारी महिया ने टोल नाकों पर बढ रही मारपीट और हमलेबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिये मांग उठाई थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जिले में बीते सालभर के अंतराल में टोल नाका कर्मियों के खिलाफ दर्जनभर से ज्यादा हमलेबाजी और मारपीट की वारदातें दर्ज हो चुकी है। जिले के ज्यादात्तर टोल नाके पर परदर्शिता के तौर पर कुछ भी नहीं है वहां के कर्मचारी न तो ड्रेस कोड मिलते है,ना ही उनके पास आई.डी. कार्ड रहता है जिससे कि यह पता लगाना भी मुश्किल होता है कि हमलेबाजी और मारपीट करने वाले कर्मचारी कौन है। यह भी खबर है कि हर रोज हो रही मारपीट और अवैध वसूली को बढावा देने के लिये टोल पर लगाई गई हाईमास्क लाईट अन्य रोड लाईट रात के समय बन्द रखी जाती है ताकि इनकी अवैध वसूली और मारपीट जैसी घटनाओं से इनके कर्मचारियों को बचाया जा सके। कई टोल नाकों पर सी.सी.टी.वी. कैमरें भी बंद रहते है,जिससे कि इनकी अवैध वसूली और गूंडागर्दी किसी के सामने नहीं आये। शासन प्रशासन की ओर से प्रभावी लगाम नहीं लगाये जाने के कारण हमलेबाजी और अवैध वसूली के ठिकानें बने इन टोल नाकों को लेकर जनाक्रोश की लहर भी लगातार गहराती जा रही है। जानकारी के अनुसार बीकानेर जिले के कई जन प्रतिनिधी भी टोल नाकों पर कायम गुण्डाराज को लेकर शिकायतें दर्ज करवा चुके है।

नये साल से बंद होगा नगद टोल टैक्स

इस बीच खबर आई है कि नये साल से बीकानेर संभाग मुख्यालय समेत सभी नेशनल हाईवे पर कैशलेन को बंद कर दिया जाएगा। वाहन सिर्फ फास्टैग लेन से ही निकलेंगे। दरअसल, नेशनल हाइवे अथारिटी ऑफ इंडिया सभी टोल प्लाजा पर नकद लेन-देन बंद करने जा रहा है। इसलिए सभी चार पहिया वाहनों में 31 दिसंबर तक फास्टैग लगाने की बात कही जा रही है।

बुलडाणा हलचल

उप कोषागार अधिकारी मोहोड को 3 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एलसीबी ने रंगेहाथ पकड़ा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। मानधान के बकाया के भुगतान के बदले में 6,000 रुपये की मांग करने वाले मोतला के एक उप-कोषालय अधिकारी को 8 दिसंबर को रिश्वत और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की एक टीम ने 3,000 रुपये की रिश्वत स्वीकारते हुए रंगे हाथों पकड़ा लिया। आरोपी अधिकारी की पहचान

47 वर्षीय प्रमोद आनंदराव मोहोड के रूप में हुई है। प्रमोद मोहोड़ मोताळा में उप-ट्रेजरी ऑफिसर क्लास 3 के रूप में कार्यरत थे। मलकापुर के एक शिकायतकर्ता ने उसके रिश्वतखोरी के लिए बुलदाना में लाच लुचपत प्रतिबंधक विभागमें शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के 2 महीने के मानधन बिल की थकीत थे। शिकायतकर्ता से रिश्वत के पहले चरण के रूप में 3,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए आरोपी प्रमोद मोहोड़ को रिश्वत निरोधक दस्ते ने रंगें हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच श्रीकांत निचळ पुलिस निरीक्षक और उप-पुलिस अधीक्षक बुलदाना द्वारा की जा रही है। वरिष्ठों के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। विलास सखारे, पोको। विनोद लोखंडे पको। जगदीश पवार ड्राइवर पॉक्सो अर्शीद दस्ते का हिस्सा थे।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर स्टेशन के यार्ड रिमॉडिलिंग कार्य के संबंध में एक रिभ्यू बैठक सम्पन्न

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर रेल मंडल के मंडलीय सभा कक्ष 'मंथन' में श्री अनिल कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर एवं समस्तीपुर मंडल के अधिकारियों के बीच समस्तीपुर स्टेशन के यार्ड रिमॉडिलिंग कार्य के संबंध में एक रिभ्यू बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में श्री संजय कुमार, सीएफटीएम, हाजीपुर महोदय के साथ

हाजीपुर मुख्यालय की टीम एवं मुख्य अभियन्ता (निर्माण), महेन्द्रुघाट, पटना के नेतृत्व में निर्माण विभाग की टीम भी उपस्थित थे। बैठक में दौरान समस्तीपुर स्टेशन के यार्ड रिमॉडलिंग से संबंधित सभी मुददों पर विस्तार से चर्चा की गयी। इस बैठक में समस्तीपुर मंडल की ओर से श्री एस0आर0मीणा, एडीआरएम-I, श्री जफर आजम, एडीआरएम-II के साथ अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

अमरावती हलचल

बुनियादी सुविधाओं का अभाव, समाजवादी पार्टी अमरावती शहर व ज़िला इकाई ने की आवाज बुलंद

अमरावती। शहर का पशचिम शेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओ के अभाव में है इस शेत्र का सवार्गीण विकास हो ईसके लिए लालखडी परिसर से गुजरने वाली रेल पटरी के पास रेलवे स्टेशन साकार करे इस मांग को लेकर समाजवादी पार्टी अमरावती शहर व ज़िला इकाई ने आवाज बुलंद की है लालखडी मे रेलवे स्टेशन बने इस मांग को लेकर शनिवार को सपा जिला अध्यक्ष सलीम खान के नेतरुतव मे अमरावती ज़िला खासदार नवनित राणा, को उनके निवास स्थान जाकर ज्ञयापन सौपा बडनेरा रेलवे डीआरएम कके जरिए भुसावल बोर्ड को अमरावती ज़िला कलेक्टर को निवेदन सौपा गया। ज्ञापन के माध्यम से दलील दी के लालखडी शेत्र मे अगर रेलवे स्टेशन साकार होता है तो इस परिसर के समीप स्थित ग्रामीण शेत्र को भी लाभ होगा यहा से बडे पैमाने पर आवागमन होगा। वर्तमान मे यहा के नागरिको को अकोलि अथवा बडनेरा रेलवे स्टेशन की और रुख करना पडता है कई बार आवागमन मे तकलीफ होती है रेलवे

स्टेशन तक पहुचने के लिए साधन उपलब्ध नहीं होते है आकोली के नरखेड अमरावती लाइन पर रेलवे स्टेशन बनाया गया है लेकिन वह मुख्य रास्ते से काफि अंदर है। प्रशासन द्वारा पहले लालखडी पर रेलवे स्टेशन मंजुर किया गया था लेकिन किसी कारणो से नया आकोली मे रेलवे स्टेशन बनाया गया है। सुकली बनारसी कुंडखुर्द खार तलेगाव, खोलापुर, भायकुली, धामोरी, अचलपुर, परतवाडा, आसेगाव, वलगाव, पुर्णा ,जैसे कई छोटे बडे गाव जुडे हुए है। साथ ही रिंग रोड इस इलाके से जुडा हुआ होने से रेलवे स्टेशन स्थापित करना हर लिहाज से अनुकुल है। एसी दलील देते हुए लालखडी मे रेलवे स्टेशन बनाने की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी की ज़िला व शहर ईकाई की ओर से अमरावती ज़िला सांसद, रेलवे डीआरएम, कलेक्टर को ज्ञयापन सौंपा गयो ज्ञयापन के दौरान ज़िलाअध्यक्ष सलिम जावेद खान, शहर अध्यक्ष इमरान खान. शेर ए हिंद टिपु सुल्तान संघठन के सलमान खान (ए.टि.एस), शेख नौशाद , मों शाकीर, रिजवान खान, मों सलीम, राजा खान, यह सभि उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कॉस्मेटिक सर्जरी से पहले जानें ये साइड इफेक्ट

कॉस्मेटिक सर्जरी के दौरान और बाद में कई बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे इसे किसी अनुभवी सर्जन से कराएं, ऑपरेशन थिएटर आधुनिक टूल्स से लैस हो, संक्रमण से बचाव आदि। जानें अलग-अलग सर्जरी से होने वाली दिक्कतें ताकि ट्रीटमेंट के बाद इनका खयाल रखा जा सके-

हेयर रेस्टोरेशन (गंजापन)
गंजापन दूर करने के लिए तीन तरह की सर्जरी करते हैं। पहली, सिर में खाली जगह पर 3-4 मिमी बालों सहित स्किन निकालकर ट्रांसप्लांट करते हैं। दूसरी, सिर के दोनों ओर से बाल व त्वचा रक्तवाहिनी सहित सिर के आगे लाते है। तीसरी, सिलिकॉन बलून को बालों के नीचे लगाकर त्वचा डबल करते हैं।
साइड इफेक्ट : सर्जरी के बाद संक्रमण, निशान या अधिक ब्लीडिंग भी हो सकती है।
राइनोप्लास्टी : मोटी नाक को पतला करने, टेड़ी नाक को सही आकार देने, दबी हुई नाक को शार्प करने के लिए राइनोप्लास्टी की जाती है।
साइड इफेक्ट : नाक की त्वचा पर लाल चकत्ते, सूजन व ब्लीडिंग हो सकती है। सर्जरी के बाद छह माह तक धूप से बचें।
आईब्रो लिफ्ट: यह सर्जरी दो तरह से होती है- बोटॉक्स व थ्रेड लिफ्ट। इसमें एजिंग के कारण झुकी हुई आईब्रोज और माथे की लटकी त्वचा को ठीक किया जाता है।
साइड इफेक्ट : संक्रमण, निशान दिखने व संवेदनशीलता खत्म होने जैसी दिक्कतें होती हैं।
ब्लेफरोप्लास्टी: इस सर्जरी में झुकी हुई पलकों व पफी आंखों को ठीक किया जाता है। इस दौरान अपर और लोअर आईलिड से अतिरिक्त फैट को निकालकर आंखों को सही लुक देते हैं।
साइड इफेक्ट : कुछ मामलों में लोअर आईलिड नीचे की ओर खिंच जाती है। जिसके लिए दोबारा सर्जरी करनी पड़ सकती है।
गाइनेकोमैस्टिया: कुछ आदमियों का सीना उभार लिए होता है। इस कारण वे हीनभावना के शिकार हो जाते हैं। ऐसे पुरुष इसे कम कराने के लिए गाइनेकोमैस्टिया कराते हैं।
साइड इफेक्ट : ब्लीडिंग, सूजन, निशान या स्किन पर लाल रंग के चकत्ते हो सकते हैं। स्किन का रंग बदलने के अलावा सीने की सेंसिविटी भी खत्म हो सकती है।
आर्म लिफ्ट: बेडौल हो चुके हाथों के ऊपरी भागों को सही आकार देने के लिए आर्म लिफ्ट सर्जरी कराई जाती है। इसमें हाथों के ऊपरी हिस्से में जमा फैट व लटकी हुई स्किन को हटाया जाता है।
साइड इफेक्ट : निशान इस सर्जरी का सबसे बड़ा साइड इफेक्ट है। कोहनी से लेकर अंडरआर्म तक की इस सर्जरी में दाग हमेशा के लिए रह सकते हैं।
फेस लिफ्ट: इस सर्जरी से चेहरे की झुर्रियां और लटकी हुई स्किन को हटाकर चेहरे व गर्दन की मसल्स को मजबूती दी जाती है व एक्स्ट्रा स्किन को निकाल दिया जाता है।
साइड इफेक्ट : संक्रमण, त्वचा का रंग बदलना, चेहरे की धमनियों में क्षति, संवेदनशीलता खत्म होने के साथ त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते पड़ सकते हैं।
ऑटोप्लास्टी: ऑटोप्लास्टी में बड़े या बाहर निकले हुए कान को चेहरे के अनुरूप सही किया जाता है। कुछ लोग छिदे हुए कान के होल को छोटा करने के लिए भी यह सर्जरी करवाते हैं।
साइड इफेक्ट : संक्रमण, सूजन, ब्लीडिंग व निशान पडे का डर बना रहता है। कुछ मामलों में कान नेचुरल न दिखने पर दोबारा सर्जरी करानी पड़ सकती है।
चिन-चीक्स ऑग्युमेंटेशन: इस सर्जरी में छोटी ठुड्डी के ऊपर सिलिकॉन इंप्लांट करके इसको आकार देते हैं। कभी-कभी चिन की हड्डी को फेस के शेप के अनुसार घटाया-बढ़ाया जाता है।
साइड इफेक्ट : दर्द, सूजन व ब्लीडिंग के अलावा इम्प्लांट जगह से खिसक सकता है।
एब्डोमिनल प्लास्टी: प्रेग्नेंसी या वेट लॉस से कई बार पेट पर अधिक फैट जमा हो जाता है। जिसे निकालने के साथ मसल्स को भी टाइट कर बॉडी को सही आकार दिया जाता है।
साइड इफेक्ट : स्किन पर ब्लड क्लॉट व संक्रमण का डर रहता है।
ब्रेस्ट ऑग्युमेंटेशन: जन्म से अविकसित ब्रेस्ट, दोनों के साइज में अंतर होने व प्रेग्नेंसी के बाद लटके ब्रेस्ट को सही आकार देने के लिए यह सर्जरी की जाती है। इससे ब्रेस्ट में सिलिकॉन इम्प्लांट्स कर आकार बढ़ाया जाता है।
साइड इफेक्ट: अच्छी क्वालिटी के इम्प्लांट इस्तेमाल न किए जाने पर संक्रमण की स्थिति में इसे निकालना पड़ सकता है। निशान गहरा होने से ब्रेस्ट के हार्ड या टाइट होने जैसी समस्या हो सकती है।

लड़कों की यह परेशानियां लड़कियों को नहीं आती पसंद!

हर लड़का पूरी कोशिश करता है कि उसे अपनी गर्लफ्रैंड के सामने शर्मिंदा न होना पड़े लेकिन कई बार मर्दों में कुछ ऐसी समस्याएं होती हैं जो उन्हें अपने पार्टनर के सामने शर्मिंदा कर देती हैं। आज हम आपको ऐसी ही समस्याओं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके कारण आपको अपने पार्टनर के सामने शर्मिंदा होना पड़ सकता है।

गंजापन: कई बार समय से पहले ही बाल झड़ना शुरू हो जाते हैं। इसका कारण शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी हो सकता है। ऐसे में अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखें।
खुजली: त्वचा रूखी होने के कारण उसमें खुजली होने लगती हैं। अगर आप पार्टनर को सामने बार-बार खुजली करेंगे तो उनको बिल्कुल अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
पसीना: पसीने के बदबू के कारण भी आपको अपनी पार्टनर के सामने शर्मिंदा होना पड़ सकता हैं। ऐसे में नहाने से पहले पानी में थोड़ा नमक डाल लें। इससे पसीने की बदबू नहीं आएगी।
अधिक बाल होना: शरीर पर अनचाहे बाल भी आपको ऐसी स्थिति में डाल सकते हैं। ऐसे में समय-समय पर रेजर का इस्तेमाल करें।

कहीं आपका बच्चा तो नहीं देखता ज्यादा टीवी

मोटापे की समस्या आजकल बड़ों से लेकर बच्चों तक देखने को मिलती हैं। आज कल आम देखने को मिलता है कि बच्चे फैटी तो होते हैं लेकिन उनकी हाइट नहीं होती। मोटापे के पीछे कई कारण होते हैं। बच्चों की गलत आदतें भी मोटापे का कारण हो सकती है। अधिक टीवी देखने से भी मोटापे का खतरा बढ़ता है। हाल में हुए शोध में पाया गया है कि टीवी को ज्यादा समय देने वाले और खाने-पीने से जुड़े विज्ञापन देखने वाले बच्चों में मोटापे का खतरा अधिक होता है। वहीं कम टीवी देखने वाले बच्चों में मोटापे कम पाया जाता है। टीवी पर विज्ञापन देखने के बाद बच्चे वहीं खादे की जिद करते हैं, जिसके कारण बच्चे फास्ट फूड और पैकेट बंद फूड्स का सेवन करते है।

आजकल के बच्चे पैकेट बंद स्नैक्स पर निर्भर करते हैं, जिसके कारण उनका वजन बढ़ता है। पैकेट बंद स्नैक्स में सोडियम की मात्रा अधिक पाई जाती है जिसके खाने के बाद भूख कम हो जाती है। बच्चे स्नैक्स खाने के बाद भोजन नहीं करते, जिससे उनके शरीर को पौष्टिक तत्व नहीं मिल पाते।

सेहत को लिए फायदेमंद है गुनगुना पानी

पानी पीना सेहत के लिए बहुत जरूरी है। डॉक्टरों के अनुसार हर किसी को दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। इससे शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं लेकिन अगर ठंड़े पानी की बजाए गुनगुना पानी पिया जाए तो यह सेहत के लिए रामबाण है। आइए जाने रोजाना गुनगुना पानी पीने के फायदों के बारे में...

1. गुमगुना पानी पीने से ब्लड सकुर्लेशन तेज हो जाता है। वैसे तो हर मौसम में गुनगुना पानी पीना चाहिए लेकिन सर्दियों में तो जरूर गुनगुना पानी ही पिएं।
2. रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने से कब्ज की परेशानी दूर हो जाती है।
3. भूख न लगने से परेशान हैं तो एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस,काली मिर्च और नमक डालकर पीएं। इससे भूख लगनी शुरू हो जाएगी।
4. सारा दिन थकावट महसूस हो रही हो तो सुबह उठने के बाद खाली पेट गुनगुने पानी का सेवन करें।
5. स्किन से जुड़ी कोई परेशानी है या त्वचा पर किसी तरह के रैशेज पड़ रहे हैं तो गुनगुना पानी पीने से राहत मिलती है।
6. त्वचा रूखी और बेजान है तो 10-12 गिलास पानी जरूर पिएं। इससे त्वचा पर ग्लो आ जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्कस का पहला शेड्यूल पूजा हेगड़े ने किया पूरा

पूजा इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

पूजा हेगड़े ने नवंबर के मध्य में अपनी आगामी रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सर्कस की शूटिंग शुरू की थी। वह पहली बार रणवीर सिंह के साथ इस फिल्म में नजर आएंगी। एक साथ कई फिल्मों के लिए अपने शूट शेड्यूल के बारे में बात करते हुए, एक सूत्र ने खुलासा किया कि 'पूजा ने मुंबई में सर्कस के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है और अब वह हैदराबाद में कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद जनवरी के महीने में फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करेंगी।' पूजा ने नवंबर के अंत में सर्कस का पहला शूट पूरा किया है और अब वे जनवरी 2021 में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। पूजा के पास सर्कस के अलावा भी कई बड़ी फिल्में हैं। सलमान खान के साथ कभी ईद कभी कभी दिवाली, प्रभास के साथ राधेश्याम और मोस्ट एलिजिबल बैचलर में वे अखिल अक्किनेकर के साथ दिखाई देंगी।

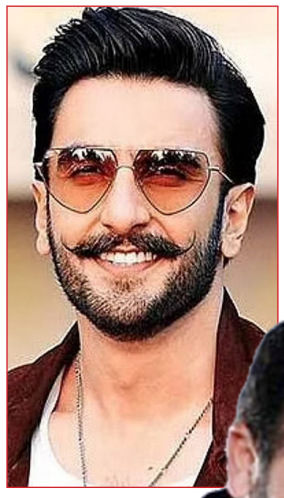

सलमान और रोहित साथ में करेंगे फिल्म!

रोहित शेट्टी मसाला फिल्म बनाने के लिए मशहूर हैं। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि जनता किस तरह की फिल्म देखना पसंद करती है इसलिए वे लगातार हिट पर हिट फिल्म दिए जा रहे हैं। रोहित को महान फिल्म बनाने का कोई शौक नहीं है। उनके लिए तो यही सफलता है कि उनकी फिल्म से जुड़े सभी लोग पैसा कमाए। दूसरी ओर सलमान खान ऐसे स्टार हैं जिन्हें दर्शक मसाला फिल्मों में देखना पसंद करते हैं। वे 'मास' के सितारे हैं और पिछले कुछ वर्षों में कई ब्लॉकबस्टर मूवीज उन्होंने दी है। सोचिए, रोहित और सलमान एक साथ फिल्म करें तो यह कितनी बड़ी हिट साबित हो सकती है। रोहित और सलमान भी यह बात जानते हैं और उन्होंने भी सोच रखा है कि वे साथ में काम करेंगे। सलमान खान ने भी कहा है कि ये अफवाह नहीं है। वे खुद रोहित के साथ फिल्म करना चाहते हैं। वे कहते हैं कि हमने इस बारे में बात भी की है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि रोहित एक अच्छी स्क्रिप्ट की तलाश में है जो सलमान के स्टारडम के साथ न्याय कर सके, लेकिन उस स्क्रिप्ट की तलाश खत्म नहीं हुई है। फैंस चाहते हैं कि यह तलाश जल्दी खत्म हो और रोहित-सलमान साथ में फिल्म करें। नि:संदेह यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देगी।

कृति सेनन कोरोना वायरस से संक्रमित

अभिनेत्री कृति सेनन कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और फिलहाल अपने घर पर ही में रह रही हैं। कृति (30) हाल ही में अभिनेता राज कुमार राव के साथ चंडीगढ़ से एक फिल्म की शूटिंग कर मुम्बई लौटी थीं। कृति ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि वह डॉक्टरों और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों द्वारा दी गई सलाह का पालन कर रही है। कृति ने कहा, 'मैं आप सभी को बताना चाहूंती हूं कि मैं कोरोना वायरस से संक्रमित हूं। चिंता की कोई बात नहीं है, मैं स्वस्थ महसूस कर रही हूं और बीएमसी और मेरे डॉक्टर की सलाह पर घर पर ही अलग रह रही हूं।' सेनन ने कहा कि संक्रमण मुक्त होते ही वह फिर काम पर लौटेंगी। साथ ही उन्होंने शुभकामनाओं के लिए अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया।